अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2021

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला-पखावज

दि. 30/01/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कोई पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र. 1 बहुविकल्पिय प्रश्न (15)

1) तबला-वादन में कितने बाज है?

(अ) 3 (ब) 2 (क) 4

2) 'धाती' शब्द का उपयोग किस घराने में किया जाता है?

(अ) लखनऊ (ब) अजराडा (क) दिल्ली

3) निम्न में से कौन फरुखाबाद घराना के तबला वादक नही है?

(अ) पं.अरविंद मुळगावकर (ब) उ. अमीर हुसेन

(क) पं. सामताप्रसाद

4) 'न' और 'ड' कौन सी उंगली से बजाया जाता है?

(अ) मध्यमा (ब) अनामिका (क) तर्जनी

5) ताल आडा चौताल में क्रमानुसार कितनी ताली और कितनी खाली आती है?

(अ) 4 और 3 (ब) 3 और 4 (क) दोनों गलत

6) फर्रुखाबाद घराने में निम्न में से किस का चलन ज्यादा है?

(अ) कायदा (ब) गत (क) कोई नही।

7) बंद बाज के अंतर्गत कौन सा घराना आता है?

(अ) पंजाब (ब) फर्रुखाबाद (क) अजराडा

8) कमाली चक्रदार के दुसरे चक्र का कौन सा 'धा' सम पर आएगा?

(अ) 10 (ब) 14 (क) 12

9) तेवरा ताल में खाली कौन सी मात्रा पर आती है?

(अ) 1 पर (ब) 4 पर (क) अ और ब गलत

10) पं.सुशीलकुमार जैन किस घराने के प्रख्यात तबला वादक है?
(अ) दिल्ली (ब) पंजाब (क) बनारस

11) उ.सलारी खाँ जी की कौन सी रचना ज्यादा प्रख्यात है?
(अ) कायदा (ब) गत (क) परन

12) स्तुती परन यह किस वाद्य का बोल है?
(अ) मृदंग (ब) मृदंगम् (क) दोने गलत

13) शिवतांडव की रचना इनमें से किसने कि है?
(अ) पं.नाना पानसे (ब) पं.सखाराम जी गुरव (क) पं. कुदऊसिंह

14) तबला एवं पखावज के वर्णों कि निकटता किस घराने में दिखाई देती है।
(अ) पं.कुदऊसिंह (ब) पं.नाना पानसे (क) नाथव्दार

15) कौनसे ताल में पाँच जातियाँ दर्शाती है ?
(अ) धमार (ब) दीपचंदी (क) झूमरा

प्र. 2 **तबला / पखावज में दायें–बायें का संतुलन बनाने के लिए रियाज पध्दती की चर्चा करे।** **(10+5=15)**

प्र. 3 **पेशकार और गत इन दोनों का एकल तबला वादन में स्थान और महत्त्व बताकर एक–एक उदाहरण दिजिए।** **(10+5=15)**

Or

रेला और बोलबाँट का पखावज वादन में स्थान और महत्व बताकर एक–एक उदाहरण दिजिए।

प्र. 4 **बाज और घराना के बारे में समझाकर अपने वाद्य के कोई एक घराने की संपूर्ण जानकारी, वादन शैली तथा उदाहरण के साथ समझाईये।** **(5+10=15)**

प्र. 5 निम्नलिखित तालों में दो दमदार तथा दो बेदम तिहाईयाँ लिपिबद्ध करे।

जिसमें तिस्र और चतस्र दोनो जातियों का उपयोग अनिवार्य। ($3\frac{3}{4}$ X 4=15)

* तबला– त्रिताल और आडाचौताल
* पखावज– सूलताल और आदीताल

प्र. 6 तबला / पखावज की उत्पत्ती के बारे में समझाकर वर्तमान समय में उसके उपयोग के बारे में अपने विचार लिखे। (8+7=15)

प्र. 7 ताल झपताल में तिस्र और चतस्र जाति का एक–एक कायदा, दो–दो पल्टे तथा तिहाई के साथ लिपिबद्ध करे। (5 X 3=15)

Or

आदिताल में एक रेला, एक पल्टा के साथ, तथा एक चक्रदार परन और एक स्तुती परन लिपिबद्ध करे। (5 X 3=15)

प्र. 8 तिहाई के प्रकार बताकर सभी प्रकारों का एक–एक उदाहरण ताल आडाचौताल/धमार में लिपिबद्ध करे। (15)

प्र. 9 निम्नलिखित में से कोई दो वादकों का जीवन परिचय और सांगीतीक योगदान बताकर उनकी विशेष रचना बताएँ। ($7\frac{1}{2}$ X 2=15)

1) उ.मुनीर खाँ 2) पं.माधवराव अलगुटकर 3) पं.कंठे महाराज
4) पं.सखाराम जी गुरव 5) उ.करामतुल्ला खाँ 6) पं.पुरुषोत्तम दास

प्र. 10 20 मिनिट अपना एकल वादन प्रस्तुत करने के लिए उसका क्रम सोदाहरण लिखे । (15)